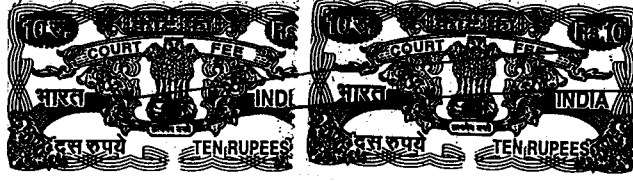


न्यायालय श्रीमान् सदस्य महोदय राजस्व मण्डल ग्वालियर सर्किट कोर्ट रीवा,
जिला रीवा (म0प्र0)



R-201-

736
30/11/14

R-3895-PRK114

- 1- राधिका प्रसाद शुक्ला पिता स्व0 श्री शिव प्रसाद शुक्ला उम्र 51 वर्ष, पेशा कृषि कार्य,
निवासी ग्राम पटना, पोस्ट बरौं तहसील सेमरिया, जिला रीवा म0प्र0

निगरानीकर्ता/आवेदक

बनाम

- 1- नन्दलाल मिश्रा तनय श्यामसुन्दर मिश्रा निवासी ग्राम पटना, पोस्ट बरौं तहसील
सेमरिया, जिला रीवा म0प्र0

गैरनिगरानीकर्ता/अनावेदक

श्री. राजकुमार मिश्रा
द्वारा आज दिनांक 30.11.14 को
प्रस्तुत किया गया।

रीवा
सर्किट कोर्ट रीवा

निगरानी विरुद्ध-नायब तहसीलदार वृत्त
शाहपुर, तहसील सेमरिया, के राजस्व प्रकरण
क0-7 अ 12/12-13 निर्णय दिनांक 27.06.
2014

निगरानी-अन्तर्गत धारा 50 म0प्र0भू0राजस्व
संहिता 1959 ई0

मान्यवर

क्रमांक

निगरानी निम्न आधार बिन्दु अन्तर्गत प्रस्तुत है :-

रजिस्टर्ड

पोस्ट

द्वारा आज यह निगरानीकर्ता/आवेदक ग्राम पटना का मूल निवासी है, जिसकी पैत्रिक भूमि

दिनांक

1-11-14

516/4 रकवा 0.168हे0 है, जिस पर निगरानीकर्ता अर्सा पूर्व 20 वर्ष पूर्व से काबिज

सर्किट कोर्ट

काशत हैं। तथा पूर्व में आवेदक के पिता आवेदित आराजी पर मौके से काबिज काशत

राजस्व मण्डल ग्वालियर

थे, तथा आराजी नं0-516/4 की उत्तर सीमा 01 पेड़ महुआ, 05 पेड़ आम एवं 01

क्रमांक 3621

रजिस्टर्ड पोस्ट

द्वारा पेड़ आवला मौजूद है, जो पौधे निगरानीकर्ता के स्व0 पिता श्री शिव प्रसाद द्वारा

दिनांक 13.11.14

को रोपित किये गये थे, आवेदित आराजी की सरहददी की उत्तरी सीमा से

सर्किट कोर्ट

गैरनिगरानीकर्ता की आराजी नं0-516/2 रकवा 0.101हे0 कायम है।

राजस्व मण्डल ग्वालियर

- 2- यहकि आराजी नं0-516/2 कालू तनय सुदर्शन राम साकिन पटना की पैत्रिक भूमि
थी, जिसे गैरनिगरानीकर्ता ने दिनांक 14.11.1990 को उपपंजयीक कार्यालय सिरमौर
में रजिस्टर्ड विक्रय पत्र द्वारा दर्ज किया जाकर कय किया है। गैरनिगरानीकर्ता केता
के पूर्व कब्जा मुताबिक वर्ष 2013-14 में भी काबिज काशत है, लेकिन मुख्य मार्ग रीवा
से ग्राम पंचायत पटना के मार्ग में जुड़ने की नियत से अनुचित रूप से अधीनस्थ
न्यायालय से सांठ-गांठ कर सीमांकन की कार्यवाही कराई गई, जिसके विरुद्ध प्रथम
आपत्ति न्यायालय के समक्ष दिनांक 09.10.2012 को प्रस्तुत की गई थी, तत्पश्चात्

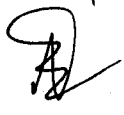
राधिका शुक्ला

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक. R-3295/11/14..... जिला रीवा.....

स्थान तथा दिनांक	राधिका 354/1-4/14 कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
19-8-15	<p>अवेदक की ओर से अभिभाषक श्री राजकुमार मिश्रा उपस्थित। अवेदक अभिभाषक को प्रकल में प्रत्यक्ष एवं धारा 5 पर बुलाया।</p> <p>प्रकल में मुख्य विवाद ग्राम पटना की ग्राम सभिक 516/2 के धीमांकन से संबंधित है। अवेदक अभिभाषक द्वारा अपने तर्कों में बताया गया कि ग्राम सभिक 516/2 के धीमांकन के संबंध में अवेदक द्वारा अवेदन प्रस्तुत किया गया जिसके संबंध में प्रथम आपत्ति अवेदक द्वारा दि. 09-10-12 को प्रस्तुत की गई जिसके आपत्ति अवेदक की पत्नी द्वारा दिनांक 11-6-12 को प्रस्तुत की गई जिसका जवाब अवेदक के पुत्र द्वारा दिनांक 26-7-12 को दिया गया।</p> <p>अवेदक अभि. द्वारा बताया गया कि अवेदक द्वारा बिना अवेदक को सूचना दिए दिनांक 9-6-14 को धीमांकन की कार्यवाही कर दी गई जिससे अवेदक द्वारा दिनांक 12-6-14 को आपत्ति प्रस्तुत की गई किन्तु अवेदक द्वारा न तो कोई धारा प्रस्तुत आपत्ति का जवाब ही दिया गया और न ही उत्तर तक ही प्रवृत्त किए गए। अवेदक आपत्ति तर्कों में यह भी कहा गया धीमांकन प्रकल में अवेदक को पेशी 17-7-14 लाई गई, इस दिनांक को अवेदक को प्रकल प्राप्त ही हो सका शक्य है नियत पेशी दिनांक 17-7-14 को दि. 27-6-14 में फौजदारी का दिया और ग्राम सभिक धीमांकन दिनांक 9-6-14 को प्रस्तुत अवेदक दिनांक 27-6-14 को कर दी गई जो निरस्त किए जाने योग्य होने से प्रकल ग्राह्य किए जाने का निवेदन किया गया।</p> <p>प्रस्तुत तर्कों के फल में ग्राम सभिक प्रकल पर पत्रिका का अवलोकन किया गया तथा निगली भेजी में अवेदक वि. 516/2 एवं निगली भेजी के संलग्न राजस्व निरीक्षक की धीमांकन रिपोर्ट के प्रकल आदेश दिनांक 27-6-14 सहित -</p>	

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभूषकों आदि के हस्ताक्षर
	<p>अन्य वेक्षण वर्गों का आवेदन किया गया। सूचना क्र. 3-6-14 पर आवेदन के हस्ताक्षर नहीं हैं। इसी प्रकार प्रचनमा पा भी आवेदन के हस्ताक्षर नहीं हैं। जिससे यह स्पष्ट है कि आवेदन को बिना बतौर एवं बिना सूचना के सीमोकन की कार्यवाही की गई है जो स्थिति को न्यायोयोग्य नहीं है। अतः राजस्व विभाग द्वारा किया गया सीमोकन क्र. 9-6-14 को पूर्णतः अमान्य करीक 27-6-14 संकेत की धारा 129 में निहित प्रावधानों के विपरीत होने से स्थिति को न्यायोयोग्य नहीं है। स्थिति में सीमोकन आदेश क्र. 27-6-14 निरस्त किया जाना है तथा प्रकृत आदेश के साथ प्रत्यावर्तित किया जाना है कि प्रकृत में अमपक्ष को सूचना पत्र देकर दोनो पक्षों से शर्तों का हस्ताक्षर की उपस्थिति में विधिवत सीमोकन की कार्यवाही को। अतः निर्देशों के साथ यह निम्नलिखित प्रकृत इसी तार पर समाप्त किया जाता है।</p>	<p style="text-align: center;">  सचिव </p>

100/31/81/5